अमृत विचार

बरेली महानगर

www.amritvichar.com

बरेली , शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

सुविचार

बोलने से पहले दो बार सोचें, क्योंकि आपके शब्द और प्रभाव दूसरे के मन में सफलता या असफलता का बीज बो देंगे।

-नेपोलियन हिल

बरेली के प्रमुख समाचार

- यातायात व्यवस्था रामभरोसे, कोनों में दिखे ट्रैफिक पुलिस कर्मी-II
- बांग्लादेशी-रोहिंग्या संग अवैध रूप से रह रहे विदेशी होंगे चिह्नित-III
- धनराशि मिली पर अभिभावकों ने नहीं खरीदे स्वेटर और जूते-IV

सिटी ब्रीफ

पूजा मालकर के प्रकरण में मंडलायुक्त ने ली प्राचार्य से जानकारी

बरेली, अमृत विचार : निलंबित सहायक प्रोफेसर पूजा मालकर के शिकायत करने पर बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो . ओपी राय को गुरुवार को मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी ने बुलाया और प्रकरण के बारे में जानकारी ली। प्राचार्य ने मंडलायुक्त को बताया कि सितंबर माह में औचक निरीक्षण के दौरान पूजा मालकर भौतिक विज्ञान के विभाग में अनुपस्थित मिली थीं। दो दिन के भीतर जवाब मांगा, लेकिन पूजा मालकर ने स्पष्टीकरण देने बजाय आरोप लगाए थे। इसके बाद पूजा मालकर ने जिलाधिकारी, कुलपति को पत्र लिखे थे। पूरी बात रखते हुए प्राचार्य मंडलायुक्त से मिलकर चले आए। इधर, प्राचार्य ने बताया कि मंडलायुक्त ने पूजा मालकर प्रकरण के बारे में जानकारी की। उन्हें पूरा घटनाक्रम बिंदुवार बता दिया है।

एमजेपीआरयू में राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से, जुटेंगे देशभर के शिक्षाविद

बरेली, अमृत विचार : एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर और शिक्षा मंत्रालय की ओर से "ह्यूमनाइजिंग टेक्नोलॉजी इन लर्निंग इकोसिस्टम्स" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुक्रवार से शुरू होगी। जिसमें 300 से अधिक प्रतिभागियों के साथ देशभर के शिक्षाविद शामिल होंगे। संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में प्रचलित नवीन धारणाओं और नवाचारों पर वैचारिक विमर्श करना है। संगोष्ठी का शुभारंभ सुबह 11 बजे प्रबंधन संकाय स्थित प्रो एसवी सिंह ऑडिटोरियम में होगा। संगोष्ठी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में होगी। आयोजन सचिव डॉ . रामबाबू सिंह ने बताया कि सभी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी हैं। आयोजन की मुख्य भूमिका में प्रो . संतोष अरोड़ा, सेमिनार डायरेक्टर, डॉ . मीनाक्षी द्विवेदी संयोजक समेत विभाग के सभी शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं ।

गोशालाओं का आज निरीक्षण करेंगे नोडल अधिकारी

बरेली, अमृत विचार : शुक्रवार को नोडल अधिकारी डॉ जीके सिंह जिले में गोशालाओं का निरीक्षण करेंगे।इससे पहले जिले में व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया। सीवीओ डॉ . मनमोहन पांडे ने बताया कि सड़कों और खेतों में घूम रहे निराश्रित गोवंशों को पकड़ने की कार्रवाई रोज की जा रही है। सीवीओ के मुताबित नोडल अधिकारी विभागीय समीक्षा भी कर सकते हैं।

झील पर कब्जे को लेकर एनजीटी में हुई सुनवाई

बरेली, अमृत विचार : नैनीताल रोड स्थित टोल प्लाजा के पास एल्डिको सिटी आवासीय कॉलोनी में झील पर अतिक्रमण के मामले में गुरुवार को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में सुनवाई हुई। डीएम अविनाश सिंह ने वर्चुअल माध्यम से सुनवाई में जिला प्रशासन का पक्ष रखते हुए झील का सीमांकन कराने और अतिक्रमण न होने आदि बिंदुओं पर बात रखी। सुनवाई में एनजीटी में एसडीएम सदर प्रमोद कुमार शामिल हुए।

ठंड के तेवर तल्ख

ठंड से बचने के लिए ईंट पजाया चौक में सड़क किनारे आग जलाकर तापते लोग। ● अमृत विचार

मौसम : सुबह की ठिठुरन तेज, कोहरे ने धीमा किया जीवन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अगले सात दिनों तक रहेगा कोहरा तापमान में नहीं मिलेगी राहत

अमृत विचार : पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम के करवट लेने से बरेली में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा हैं। गुरुवार को अधिकतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 4.1 डिग्री नीचे है। भोर में कोहरा होने से जनजीवन धीमा होने लगा है।

तापमान में आई इस तेज गिरावट ने लोगों को दिसंबर की ठिठुरन का अहसास करा दिया। सुबह और देर शाम की हवा ने ठिठुरन और बढ़ा दी। मौसम विभाग के अनुसार शहर में आर्द्रता सुबह 85 प्रतिशत और शाम 66 प्रतिशत रही। बढ़ती नमी और गिरते तापमान के कारण सुबह के समय कोहरा और हल्की धुंध छाना शुरू हो गई है। दृश्यता पर इसका असर पड़ने से स्कूल जाने वाले बच्चों और सुबह की यात्रा करने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।

सार्वजनिक स्थलों पर अलाव नहीं जलवाए जा रहे हैं। गुरुवार को पुराने रोडवेज बस स्टैंड पर ठंड से राहगीर ठिठुरते दिखे।

मौसम विभाग की ओर से जारी सात दिन के पूर्वानुमान के अनुसार 4 दिसंबर से 10 दिसंबर तक शहर में न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 22 से 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। इस पूरी अवधि में रोज सुबह कोहरा या धुंध छाने की संभावना जताई गई हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक उत्तर भारत में उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाएं सक्रिय रहेंगी, जिससे गलन और बढ़ सकती हैं।

सूफीटोला के बरातघरों की ध्वस्तीकरण कार्रवाई हफ्ते भर थमी

सुप्रीम कोर्ट ने एवान-ए-फरहत बरातघर पर 10 दिसंबर तक यथास्थिति बनाए रखने का बीडीए को दिया आदेश

- एवान-ए-फरहत के मालिक सरफराज वली ने बयां किया दर्द
- आजादी से पहले बना भवन मलबे में निकली पुरानी ईंट दिखाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सूफी टोला में गुड लाइफ मैरिज हॉल और एवान-ए-फरहत बरातघर पर दो दिन से चल रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर गुरुवार को रोक दी गई। एवान-ए-फरहत के संचालकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सात दिन याचिकाकर्ताओं को अंतरिम सुरक्षा प्रदान करते हुए 10 दिसंबर तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश बरेली विकास प्राधिकरण को दिए। इसके साथ ही गुड मैरिज हॉल से सटे मकानों के मालिकों के आग्रह पर दोनों जगह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सात दिन के लिए रोक दी गई।

सूफी टोला में अवैध निर्माण के रूप में चिह्नित गुड लाइफ मैरिज हॉल और एवान-ए-फरहत बरातघर के ध्वस्तीकरण के लिए बरेली विकास प्राधिकरण की टीम मंगलवार से कार्रवाई कर रही है। बीडीए की टीम दो बुलडोजर के साथ गुरुवार को भी पूर्वाह्न करीब 11 बजे सूफीटोला पहुंची, जबकि सुरक्षा में भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहले ही तैनात हो गया। टीम ने आधे घंटे बाद जैसे ही एवान-ए-फरहत बरातघर के आवासीय स्थल को ढहाना आरंभ किया, इसी बीच बरातघर के मालिक सरफराज वली खां अपने बेटे के साथ आ पहुंचे।

सूफी टोला में बीडीए की टीम से बातचीत करते बरातघर मालिक। ● अमृत विचार

दोनों बरातघर के शेष हिस्से गिराने को पहुंची थी जेसीबी। ● अमृत विचार

मलबे से निकली पुरानी ईंट।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट में अपील का दिया मौका

अधिवक्ता वैभव माथुर ने बताया कि एवान ए फरहत बरातघर पर कार्रवाई के लिए बीडीए ने 2011 के आदेश में ध्वस्तीकरण का नोटिस का हवाला देकर कार्रवाई की है, लेकिन हमारी ओर से मांगने पर भी नोटिस नहीं दिखाया गया। बिना कोई नोटिस के ध्वस्तीकरण आरंभ कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट में एवान ए फरहत बरातघर के मालिक की पत्नी फरहत जहां की ओर से याचिका दायर की थी। इस पर कोर्ट ने सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम याचिका पर सुनवाई नहीं करना चाहते हैं, मगर याचिकाकर्ता आर्टिकल 226 के तहत हाईकोर्ट जाने के लिए स्वतंत्र हैं। फिलहाल सात दिन का समय दिया गया है, हम लोग हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

तौकीर से कभी कोई वास्ता नहीं रहा

सरफराज वली खां ने इस दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान साफ कहा कि अचानक मेरे बरातघर पर क्यों कार्रवाई की गई ये समझ से परे हैं, जबकि मेरा या मेरे परिवार के किसी सदस्य का मौलाना तौकीर से कभी कोई वास्ता नहीं रहा है।

उन्होंने बीडीए अफसरों से सुप्रीम कोर्ट के स्टे मिलने की बात कही। इस पर अफसरों ने स्टे आर्डर दिखाने को कहा। आर्डर दिखाने के लिए बीडीए अफसरों ने उन्हें 15 मिनट का समय दिया। इसी बीच बरातघर संचालक पक्ष के अधिवक्ता वैभव माथुर स्टे आर्डर की कॉपी लेकर मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बीडीए के अफसरों को आर्डर दिखाया। इसके बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई रोक दी गई। गुड लाइफ बरातघर को इसलिए राहत दी गई है कि इससे सटे हुए कई अन्य मकान हैं। इन मकान स्वामियों ने बीडीए अफसरों से कार्रवाई के दौरान उनके आवासों में क्षति होने की बात कही थी। करीब 12 बजकर 15 मिनट पर बीडीए की टीम मौके से लौट गई। वहीं, पुलिस ने दोनों ओर से बैरिकेडिंग लगाकर बंद किए गए मार्ग को भी खोल दिया। बीडीए अधिकारियों के अनुसार, अग्रिम आदेशों के बाद दोबारा दोनों बरातघरों के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

बुलडोजर बरातघर पर नहीं मेरे सीने पर चला है

बरेली, अमृत विचार : बरेली विकास प्राधिकरण की सूफी टोला में दो बरातघरों पर दो दिन से जारी कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट के स्टे के बाद एवान ए फरहत बरातघर के मालिक सरफराज वली खां का गुरुवार को दर्द छलक हुई। मीडिया के सामने अपनी पीड़ा बयां करते हुए कहा कि ये बुलडोजर बरातघर पर नहीं मेरे सीने पर चला है। इस दौरान उनके परिवार के अन्य लोग भी मौजूद रहे। बरातघर के संचालक पक्ष के अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट का स्टे आर्डर लेकर जब मौके पर पहुंचे, उसके कुछ देर बाद ही एवान ए फरहत के मालिक सरफराज वली खां भी मौके पर आ गए। बरातघर के मलबे से ईंट उठाकर बोले कि ये देखें इस पर वर्ष 1942 की तिथि पड़ी हुई। इसकी नींव गवाही दे रही है कि इसका निर्माण देश की आजादी से पहले हुआ था। बीडीए अफसरों को तमाम दस्तावेज भी दिखाए, लेकिन बरातघर तोड़ दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में कार्रवाई को रोका गया है। आदेश में सात दिन का समय दिया गया है। अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

- अजीत कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी, बीडीए।

नावल्टी रोड से फिर अतिक्रमण हटाया, नोकझोंक

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम की प्रवर्तन टीम गुरुवार को दोबारा नावल्टी रोड पर सड़क और फुटपाथ पर फैले अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान दुकानदारों की टीम से नोकझोंक भी हुई।

कुमार टाकिज के पास टीम को देखते ही खलबली मच गई। दुकानदारों और ठेले वालों ने सामान समेटना शुरू कर दिया, लेकिन कुछ दुकानदारों का सामान जब्त कर लिया गया। इस दौरान व्यापारियों ने आरोप लगाया कि निगम केवल दिखावे के लिए कार्रवाई कर रहा है और स्थायी समाधान पर ध्यान नहीं दे रहा। राजस्व निरीक्षक सच्चिदानंद ने बताया कि अतिक्रमण अभियान लगातार चल रहा है।अतिक्रमण की शिकायत के चलते ही दो दिन से लगातार अभियान इस इलाके में चलाया गया।

बेंगलुरू-बरेली फ्लाइट लेट होने से यात्री हुए परेशान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बेंगलुरू फ्लाइट बरेली एयरपोर्ट पर दोपहर करीब 3.55 बजे आई

अमृत विचार : देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो कई दिनों से फ्लाइट के परिचालन को लेकर संकट में चल रही है। इसका असर बरेली-बेंगलुरू और मुंबई उड़ानों पर भी पड़ रहा है। गुरुवार को बेंगलुरू-बरेली फ्लाइट करीब पौने दो घंटे देरी से यहां एयरपोर्ट पर पहुंची। इतनी ही देरी से बरेली से भी बेंगलुरू के लिए रवाना हुई।

321 सीटर फ्लाइट के उड़ान भरने में देरी की वजह से इंतजार करते हुए यात्रियों ने दिक्कतें झेलीं। एयरपोर्ट अथॉरिटी के एक अधिकारी ने बताया कि बेंगलुरू फ्लाइट का बरेली एयरपोर्ट पर दोपहर 2.20 बजे लैंडिंग और उड़ान भरने का समय 2.55 बजे का है, लेकिन यह

फ्लाइट करीब 3.55 बजे लैंड हुई। इस वजह से फ्लाइट शाम 4.35 बजे बेंगलुरू के लिए उड़ान भर सकी। इस फ्लाइट में बेंगलुरू और बरेली आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या 600 से ज्यादा रही। बरेली एयरपोर्ट से बरेली मंडल के चारों जिले के साथ उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के जिलों से भी यात्री मुंबई व बेंगलुरू के लिए उड़ान भरते हैं।

शिक्षण संस्थानों को सात दिन में डेटा फारवर्ड करने का निर्देश

बरेली, अमृत विचार: विकास भवन सभागार में छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत उच्च कक्षाओं के छात्रों की छात्रवृत्ति के अग्रसारण से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। जिसमें जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांश शेखर ने शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिया कि वे छात्रों के आवेदन को ऑनलाइन तीन दिवस के भीतर बायोमैट्रिक कराते हुए अग्रसारित कर दें।

उन्होंने कहा कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति अग्रसारण की तिथि 10 जनवरी 2026 है। डीडीओ दिनेश यादव ने शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिया कि वे सात दिन दिन के भीतर पूरा डेटा फारवर्ड कर दें। बैठक में समस्त शिक्षण संस्थानों के निदेशक, प्राचार्य और प्रबंधक उपस्थित थे।

बुलडोजर कार्रवाई से अव्यवस्था, जल निकासी और पेयजल आपूर्ति बाधित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सूफी टोला मोहल्ला में दो दिनों से लगातार एवान ए फरहत और गुड लाइफ बरातघर पर हो रही बुलडोजर कार्रवाई से दो दिन से त्रस्त हैं कि कार्रवाई के आरंभ से ही मोहल्ले में अव्यवस्थाएं हो गईं हैं। ध्वस्तीकरण कार्रवाई में गिरे मलबे से जल निकासी और पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। पेयजल की किल्लत से लोग परेशान हैं, जबकि मलबे से नालियां चोक होने से जलभराव और गंदगी सड़कों पर आ गई और आना-जाना दूभर हो रहा है।

दरअसल, मोहल्ले के कुछ लोग गुरुवार को कार्रवाई स्थल पर पहुंचे और यहां मौजूद सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव से शिकायत दर्ज कर बताया कि ध्वस्तीकरण के बाद मलबा इधर-उधर बिखरा पड़ा है, जिससे नालियां चोक हो गईं हैं। इस पर सीओ ने फौरन स्थानीय पार्षद लईक को मौखिक रूप से समस्याओं का निस्तारण कराने की बात कही। पार्षद ने भी मोहल्ले का जायजा लेकर नगर निगम अधिकारियों से समस्या का निस्तारण कराने के लिए कहा।

सूफी टोला में नालियां चोक होने से जलनिकासी प्रभावित हुई। ● अमृत विचार

- सूफीटोला में पानी की किल्लत ड्रेनेज सिस्टम क्षतिग्रस्त होने से गंदगी और जाम की स्थिति

तैयारी

जिलाधिकारी ने कहा, 76 हजार से ज्यादा घरों को मिलेगा पीने का शुद्ध जल, निविदा प्रक्रिया की कवायद तेज

शहरी क्षेत्र में दो साल में सभी को उपलब्ध होगा शुद्ध पेयजल, मिलेगी राहत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 265 करोड़ की पेयजल क्रांति से शहरी क्षेत्र के 40 वार्डों को सुविधा मिलेगी
- बरेली शहर में 51 से बढ़कर 92 प्रतिशत हो जाएगा पेयजल संतृप्तीकरण

अमृत विचार : अमृत 2.0 परियोजना के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के 76 हजार से ज्यादा घरों को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध कराने की कवायद शुरू की गई है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि शहरी क्षेत्र में दो साल में शुद्ध पेयजल से कोई भी वंचित नहीं रहेगा। कैबिनेट से पास 265 करोड़ रुपये की पेयजल योजना से शहरी क्षेत्र के 40 वार्डों में पेयजलापूर्ति की सुविधा मिलेगी। योजना के धरातल पर उतरने के बाद बरेली में पेयजल संतृप्तीकरण 51 से बढ़कर 92 प्रतिशत हो जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि शहर के 76465 घरों में अमृत 2.0 की जलधारा प्रवाहित करने के लिए शहरी जल निगम ने टेंडर प्रक्रिया को धरातल पर उतारने की कवायद तेज कर दी है, ताकि परियोजना को जल्द अमलीजामा पहनाया जा सके। दो वर्षों में शहरी पेयजल वितरण व्यवस्था की पूरी तस्वीर बदल जाएगी। 40 से अधिक वार्डों में वर्षों से चली आ रही आंशिक जलापूर्ति की समस्या भी समाप्त होगी। डीएम ने बताया कि जल निगम ने वर्ष 2022-23 में शहर के उन क्षेत्रों

का सर्वे कराया था, जहां आज भी शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं है। अमृत 2.0 के तहत तैयार की गई 270 करोड़ रुपये की डीपीआर को व्यय-वित्त समिति ने संशोधित कर 265 करोड़ में कैबिनेट को भेजा था। इस परियोजना के तहत शहर का पेयजल संतृप्तीकरण 51 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

योजना के तहत फेस-एक में 19 नए ओवरहेड टैंक, 37 नलकूप बनेंगे

डीएम ने बताया कि अमृत 2.0 योजना के फेस-एक में 19 नए ओवरहेड टैंक, 37 नलकूप बनेंगे। 302 .36 किमी वितरण पाइपलाइन बिछेगी। इसमें 19 .47 किमी राइजिंग मेन होगी। 76465 नए गृह संयोजन, ग्राउंड वाटर रिचार्ज संरचनाएं शामिल हैं। परियोजना पूरी होने पर 2011 की जनगणना वाले 80 वार्डों में से 34 पूर्णत: असंतृप्त और 21 आंशिक असंतृप्त वार्डों को पहली बार निर्बाध जलापूर्ति मिलेगी।

पूर्ण जलापूर्ति से वंचित है शहर की आधी आबादी

- वर्तमान में शहरी क्षेत्र में 93,194 घरों में ही कनेक्शन हैं। लगभग आधी आबादी अभी भी पूर्ण जलापूर्ति से वंचित है। अमृत 2 .0 के तहत 76,465 नए संयोजन स्वीकृत किए गए हैं। बरेली पुनर्गठन पेयजल योजना के अंतर्गत पेयजल में 19 नग उच्च जलाशय क्षमता (1300, 2550, 2200, 2600, 2500, 2300, 2400, 1800, 1550, 2400, 1300, 1800, 1600, 2350, 2000, 700, 600, 500, एवं 1300 किली) एवं 19 नग नलकूप व 302 .38 किमी पेयजल पाइप लाइन 135 एलपीसीडी आपूर्ति के लिए (लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन) शामिल की गई है। अमृत 2 .0 कार्यक्रम के लिए जारी दिशा-निर्देशों में पेयजल आपूर्ति के मानक 77 .50 एलपीसीडी से 135 एलपीसीडी के अनुसार पेयजल आपूर्ति की जानी है।

नए कनेक्शन पर 130 रुपये मासिक टैरिफ प्रस्तावित

डीएम के अनुसार योजना के अनुसार प्रति व्यक्ति निर्माण लागत 2980 रुपये आंकी गई है। नए कनेक्शन पर 130 रुपये मासिक टैरिफ प्रस्तावित है। वर्ष 2026-27 में यह शुल्क 135 रुपये, वर्ष 2040 में 170 रुपये और वर्ष 2055 में 210 रुपये तक किया जाएगा। यह व्यवस्था शहर में दीर्घकालिक जलापूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए जरूरी है। डीएम ने बताया कि पुनर्गठन पेयजल योजना में पेयजल से असंतृप्त वार्डों व आंशिक असंतृप्त वार्डों को शामिल किया गया है। वर्ष 2025 में नगर निगम की अनुमानित जनसंख्या 11 .44 लाख और घरों की संख्या 1 .90 लाख मानी गई है।

अमृत 2.0 परियोजना बरेली के लिए ऐतिहासिक सौगात है। जल निगम ने परियोजना को दो वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। शहर के असंतृप्त क्षेत्रों में जल्द जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित कर कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे नागरिकों को वर्षों पुरानी पेयजल समस्या से मुक्ति मिल सके।

-अविनाश सिंह, डीएम

उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण की सुस्त रफ्तार से बढ़ी मुसीबत

बरेली, अमृत विचार : जिले में तीन हजार से ज्यादा वक्फ संपत्तियां हैं। इन वक्फ संपत्तियों को पंजीकृत करने के लिए सरकार की ओर से लांच किया गया उम्मीद पोर्टल भी खरा नहीं उतर पाया है। अभी तक महज 2517 फीसदी संपत्तियों का ही पंजीकरण हो पाया है। उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण करने की अंतिम तिथि पांच दिसंबर है। विभागीय कर्मी बताते हैं कि उम्मीद पोर्टल की वेबसाइट काफी धीमी गति से चल रही है। लोगों को पंजीकरण कराते समय घंटों तक इंतजार करना पड़ रहा है लेकिन फिर भी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं। लॉग-इन करने पर गांव, वार्ड, शहर आदि खोजने में दिक्कत होती है। गुरुवार शाम 6:30 बजे तक 2434 सुन्नी संपत्ति और 73 शिया संपत्तियों का पंजीकरण पूरा हो सका। शुक्रवार को अंतिम दिन है।

हर तरफ से निराश गुप्त रोगी मिलें
SEXOLOGIST
बचपन की गलतियां
आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट
प्राप्त करें
शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
डायबिटीज

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीध्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीध्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

YouTube पर Search करें
डा. शेख
भारत प्रसिद्ध
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
बरेली
9837023223

गुरुवार को कोहाड़ापीर तिराहे पर जाम के हालात दिखे, मगर ट्रैफिक पुलिस नजर नहीं आई। ● अमृत विचार

महादेव चौक व पटेल चौक पर होमगार्ड और ट्रैफिक पुलिसकर्मी एक कोने में खड़े नजर आए। ● अमृत विचार

यातायात व्यवस्था रामभरोसे, कोनों में दिखे ट्रैफिक पुलिस कर्मी

100 रुपये लेकर नो एंट्री में ट्रक की एंट्री कराने में चार पुलिस कर्मियों के सस्पेंड किए जाने के बाद भी ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की नहीं सुधर रही कार्यप्रणाली

अमृत विचार पड़ताल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : स्टेडियम रोड पर नो एंट्री में हुए हादसे के बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने भले ही टीएसएई समेत चार पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया हो, लेकिन शहर की यातायात व्यवस्था गुरुवार को भी रामभरोसे ही रही। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की घूसखोरी के चलते दर्दनाक हादसे में महिला की मौत के अगले दिन शहर के प्रमुख चौराहों की अमृत विचार की टीम ने पड़ताल की तो हैरानी वाली तस्वीर सामने आई। अधिकांश चौराहों पर यातायात पुलिस के जवान नजर नहीं आए, बल्कि कोनों में खड़े होकर दुपहिया वाहन चालकों और बाहर के नंबर वाली गाड़ियों पर ही निशाना लगाते रहे।

सैटेलाइट बस स्टैंड पर ट्रैफिक पुलिस का इंटरसेप्टर वाहन खड़ा दिखा तो उसमें पुलिस कर्मी गायब दिखे, जबकि दो होमगार्ड कुछ दूरी पर बाइक सवार को रोकते दिखे। इसके आगे बीसलपुर चौराहे पर एक ट्रैफिक पुलिस कर्मी ही दिखा, वहां पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी होमगार्ड के साथ बीसलपुर रोड के मोड़ वाली साइड पर बातचीत में व्यस्त था। कुछ दूर पर यूनिवर्सिटी से आगे डोहरा चौराहा पर न तो ट्रैफिक पुलिस थी और न ही कोई अन्य पुलिस कर्मी। ट्रैफिक सिग्नल लाइट होने के बाद भी लोग बेतरतीब तरीके से वाहन लेकर निकलते दिखे। संजय नगर चौराह पर भी व्यवस्था बदहाल दिखी। कालोनी से पीलीभीत रोड पर पहुंचते ही लोग रोड क्रॉस करते समय हादसे का शिकार न हो जाए, इसलिए डिवाइडर के कट पर अवरोधक लगे हैं, बाइक सवार से लेकर श्री व्हीलर इसी के बीच होकर गुजरते दिखे। सौ फुटा मोड़ पर भी कोई पुलिस कर्मी नहीं दिखा। इस रोड पर मौत बनकर दौड़ती मिट्टी और रेता-बजरी भरी ट्रालियां नजर आईं। इनकी रोक-टोक के लिए सौ फुटा चौराहा से लेकर डेलापीर मोड़ तक कोई ट्रैफिक पुलिस कर्मी नहीं दिखा।

डमरू चौराह पर भी कुछ इसी तरह का हाल देखने को मिला। यहां सबसे अधिक पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाती है, लेकिन यहां तैनात पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई के बाद केवल दो पुलिस कर्मी ही नजर आए। जो किसी तरह यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करते दिखे। स्टेडियम रोड पर ट्रैक्टर-ट्रालियां दौड़ती नजर आई। इसको लेकर बताया गया कि स्टेडियम के आसपास रेता-बजरी की दुकानें होने की वजह से ट्रालियां दिनभर ऐसे ही दौड़ती हैं।

सेटेलाइट बस स्टैंड तिराहे पर ट्रैफिक पुलिस वाहन मौजूद, मगर कर्मी दिखे नदारद।

सौ फूटा रोड पर नो एंट्री में दौड़ती ट्रैक्टर-ट्राली। ● अमृत विचार

- स्टेडियम रोड पर हादसे में महिला की मौत के बाद भी नहीं बदला काम क ढर्रा
- दुपहिया वाहन चालकों और बाहरी नंबर की गाड़ियों पर लगाते रहे निशाना

जोर कमाई पर, वाहन चेकिंग सिर्फ नाम के लिए

नो एंट्री जोन ही नहीं शहर के प्रमुख चौराहों के अलावा सड़कों पर वाहनों की चेकिंग के नाम पर वसूली का खेल कोई नया नहीं है। गैर जनपद व गैर प्रांतों के चालकों के साथ अवैध वसूली के साथ-साथ बदसलूकी के कई मामले सामने आ चुके हैं। इन्हें ज्यादा परेशान किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति उनके कहे अनुसार चढ़ावा नहीं चढ़ाता है तो कोई न कोई कमी दर्शाकर चालान कर दिया जाता हैं। ट्रैफिक पुलिस में तैनात होमगार्ड भी कम नहीं है। बताया जाता है कि मुख्य चौराहों पर ड्यूटी लगाने के नाम पर बड़ा खेल हो रहा है। कमाई वाले चौराहों पर ड्यूटी लगवानी हो तो विभाग में अधिकारियों से लेकर बाबुओं तक को खुश करना होता है। लेन-देन में जरा भी आनाकानी करने वालों को होमगार्ड के ही अधिकारी इधर से उधर कर देते हैं। उनके चहेतों की शिकायतें कितनी भी आती रहें, उन्हें हटाने के नाम तक नहीं लेते हैं। इसी का नतीजा है होमगार्ड चौराहों पर वसूली करने से नहीं चूकते हैं। चौकी चौराहा, सैटेलाइट चौराहा, ईसाइयों की पुलिया, गांधी उद्यान, डेलापीर चौराहा, समेत कई प्वाइंट ऐसे हैं जहां होमगार्ड और ट्रैफिक पुलिस वसूली करते दिखाई दे जाएंगे।

होमगार्डों के सहारे शहर की पूरी यातायात व्यवस्था

शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने का जिम्मा यातायात पुलिस पर है, पर शहर में अधिकांश यातायात पुलिस के जवान नजर नहीं आते। अगर कोई सवाल उठाए तो स्टाफ की कमी का रोना रो दिया जाता है, पर अहम सवाल ये है कि कि क्या स्टाफ की कमी सिर्फ शहर के लिए है। शहर से बाहर दिल्ली हाईवे झुमका चौराहा, मिनी बाइपास, बड़ा बाईपास आदि जगहों पर दिन भर यातायात पुलिस ड्यूटी देती नजर आती है, इसके पीछे अवैध वसूली के भी आरोप लगते रहे हैं।

नो एंट्री में दौड़ रहे वाहनों पर कार्रवाई

अमृत विचार, बरेली। स्टेडियम रोड पर नो एंट्री में घुसे ट्रक से महिला की मौत के बाद पुलिस ने गुरुवार को अभियान चलाया। एसएसपी के आदेश पर यातयात पुलिस ने डेलापीर, लाल फाटक, कैंट, चौपला, गांधी उद्यान, श्यामगंज में नो-एन्ट्री क्षेत्र में मिली 10 ट्रैक्टर-ट्रालियों को अभिलेख प्रस्तुत न करने पर सीज किया। वहीं, 15 ट्रैक्टर-ट्राली व ट्रकों के चालान किए गए। पुलिस अधीक्षक यातायात मो. अकमल खान ने बताया कि नो एंट्री में नियम विरुद्ध चलने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

अफसरों की अनदेखी वाहन चालकों पर भारी

इन दिनों बीसलपुर रोड पर नवदिया झादा पर वाहनों की चेकिंग को लेकर लोग सबसे अधिक परेशान हैं। लोगों का कहना है कि पुलिस अधिकारियों के कारण पुलिसकर्मी लोगों को परेशान करते हैं। नवदिया चौराहा पर तैनात यातायात पुलिस और थाना पुलिस की लगातार शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। पुलिस अधिकारियों की अनदेखी के चलते वाहन चालक परेशान हो रहे हैं।

मैंने खुद आज शहर के सभी चौराहों पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी चेक कराई है। दोपहर के समय सभी चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस कर्मी नजर आए। शहर में स्टेडियम रोड और पीलीभीत बाईपास रोड पर कुछ जगहों पर अतिक्रमण हटाया गया था। संभवता हो सकता है कुछ मिनट के लिए पुलिस कर्मी वहां चले गए हों।

-मो. अकमल खान, एसपी ट्रैफिक

हत्या के मामले में जेल में बंद बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत

बरेली, अमृत विचार : हत्या के मामले में छह साल से जिला जेल में सजा काट रहे बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने जेल प्रशासन पर समय से इलाज न कराने का आरोप लगाया है।

फतेहगंज पश्चिमी के गांव सहसा निवासी जमुना प्रसाद (71) हत्या के मामले में जेल में सजा काट रहे थे। एक महीने से उनकी तबीयत खराब चल रही थी। जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुधवार देर रात इलाज के दौरान उनकी सांसें थम गईं। इसकी सूचना जेल प्रशासन ने उनके परिजनों को दी। बुजुर्ग की पत्नी शिव देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के दो बेटे और एक बेटी है। जेल जाने से पहले जमुना प्रसाद सिलाई का काम करते थे। उनपर गांव के ही महेंद्र पाल की किसी बात को लेकर हत्या करने का आरोप था, जिसके चलते वह जेल में बंद थे। उधर, परिजनों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

व्यापारी पर दबाव बनाने व मुकदमा लिखने का आरोप

डीआईजी अजय कुमार साहनी से मिलकर आते व्यापारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डीआईजी से मिले व्यापारी नेताओं ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता कोल्ड स्टोर एसोसिएशन के एक शिष्टमंडल के साथ गुरुवार को डीआईजी अजय कुमार साहनी से मिले और बताया कि पुलिस बिना किसी उचित जांच के व्यापारी पर मुकदमा लिखकर परेशान कर रही है। बताया कि सौ फुटा रोड पर पुत्तू सिंह कोल्ड स्टोर के स्वामी हैं।

इनके कोल्ड स्टोर में वर्ष 2023 में शहर के एक ड्राइफ्रूट कारोबारी ने किशमिश के कुछ गत्ते रखने भेजे थे। बाद में उनके स्टाफ ने उस माल की निकासी कर ली। जिसके सारे कागज कोल्ड स्टोर के पास हैं। लेकिन, दो वर्ष बाद कारोबारी अचानक माल मांगने आया। उसे बताया कि आपका माल तो आपके कर्मचारी पहले ही ले जा चुके हैं तो किला थाने में तहरीर देकर उसने मुकदमा दर्ज करा दिया। प्रांतीय महामंत्री ने आरोप लगाया कि पुलिस दबाव में कोल्ड स्टोर स्वामी को परेशान कर रही है। डीआईजी ने जांच कराने का आश्वासन दिया। उनके साथ कोल्ड स्टोर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरि प्रकाश अग्रवाल ,राकेश अरोड़ा ,राजेश जसोरिया,पुत्तू सिंह, मयंक, उमेश आदि थे।

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी पर रिपोर्ट

सीबीगंज,अमृत विचार : थाना क्षेत्र की एक महिला ने गांव के ही युवक पर अश्लील फोटो बनाकर ब्लैकमेल करने, धमकी देने और जबरन संबंध बनाने का दबाव डालने का आरोप लगाया है। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव सरनिया निवासी पीड़िता ने बताया कि उसका पति ड्राइवर है और गांव का ही इश्तियाक उसके पति के साथ हेल्पर का काम करता था। इसी वजह से उसका घर पर आना-जाना था।

आरोप है कि इश्तियाक ने उसका मोबाइल हैक कर उसकी तस्वीरों को एडिट कर अश्लील बनाकर भेजना शुरू कर दिया। वह उसे लगातार अश्लील चैट करने और जबरन संबंध बनाने के लिए दबाव डालता रहा। मना करने पर फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। एसएसपी के निर्देश पर गुरुवार को निर्देश पर सीबीगंज पुलिस ने आरोपी इश्तियाक के खिलाफ नाममद मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सड़कों पर बेतरतीब वाहनों से जाम, अस्पतालों से पार्किंग गायब

कार्यालय संवाददाता, बरेली

रामपुर गार्डन में एक अस्पताल के बाहर सड़क पर खड़े वाहन।

अमृत विचार : शहर के प्रमुख सड़कों पर बड़ी संख्या में अस्पताल संचालित हो रहे हैं, लेकिन इन अस्पतालों में वाहनों की पार्किंग व्यवस्था ढूंढ़ने से भी नहीं मिलती है,जिससे बड़ी संख्या में वाहन अस्पतालों के बाहर सड़कों पर बेतरतीब तरीके से खड़े होते हैं जो एंबुलेंस और अन्य गंभीर मरीजों की राह में भी अचड़न बनते हैं। कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी ने बुधवार को मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की कमिश्नरी सभागार में बैठक लेते हुए अस्पतालों के बाहर नो पार्किंग जोन बनाने और अस्पतालों के बाहर सड़कों पर खडे. वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसको लेकर नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है।

दरअसल, शहर की तमाम सड़कों पर अस्पताल तो संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनके बाहर अतिक्रमण व्याप्त होने से आए दिन एंबुलेंस फंस रही हैं वहीं भीषण जाम की स्थिति बन रही है। इसको लेकर गुरुवार को अमृत विचार की टीम ने श्यामगंज से सैटेलाइट आने वाले मार्ग, विकास भवन मार्ग, रामपुर गार्डन और चौकी चौराहा रोड पर बने अस्पतालों के बाहर की पड़ताल की तो बड़ी संख्या में वाहन अस्पतालों के बाहर बेरतरतीब ढंग से खड़े मिले। वहीं अतिक्रमण भी व्याप्त नजर आया।

नगर निगम का दावा: नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि बैठक में मिले आदेश के अनुपालन में प्रवर्तन टीमों को अस्पतालों के बाहर निरंतर अतिक्रमण अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं वहीं इसकी निगरानी के लिए एक अधिकारी को भी नामित किया गया है, मरीजों के साथ ही आम जन को भी सहूलियत मिल सके।

- कमिश्नर ने बुधवार को अस्पतालों के बाहर नो पार्किंग जोन बनाने के सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए थे निर्देश
- नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के लिए व्यवस्था करना बड़ी चुनौती, कई अस्पतालों के बाहर मौजूद नहीं पार्किंग

अस्पतालों से मांगी सूचना, होगा निरीक्षण

सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि बैठक में मिले निर्देश पर जिले के सभी अस्पतालों को नोटिस जारी कर पार्किंग की स्थिति की रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराने को कहा गया है। वहीं रिपोर्ट के आधार पर स्थलीय निरीक्षण कर सत्यता की भी जांच कराई जाएगी। अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

फैसला कोर्ट बोला-एकाकी जीवनयापन की इच्छा रखने वाली लड़कियां बॉयोडाटा में इसका स्पष्ट करें उल्लेख

पति को परिवार से अलग करने की जिद बनी तलाक का आधार

विधि संवाददाता, बरेली

- मायके में फोन पर घंटों बात चैटिंग करने और स्वतंत्र जीवन जीने की आदी थी पत्नी
- अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय तृतीय ने पति की तलाक अर्जी की मंजूर

अमृत विचार: ससुराल की रीति रिवाजों के प्रति उदासीन और पति को परिवार से अलग कर साथ रहने और मायके में लगातार फोन से बात तथा चैटिंग करने को आधार मानते हुए अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय तृतीय ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने बदायूं रोड के रविन्द्रनगर निवासी शुभाशीष की तलाक अर्जी मंजूर कर ली।

पेशे से वकील शुभाशीष सिंह ने वर्ष 2024 में फेमिली कोर्ट के समक्ष हिन्दू विवाह अधिनियम के अंतर्गत फरीदपुर बक्सरिया निवासी दीक्षा वर्मा से 25 फरवरी, 2019 को हुए विवाह को विच्छेदित करने की याचना की थी। वादी ने कोर्ट में अर्जी देकर बताया कि दीक्षा ने विवाह से पूर्व स्वयं को पारिवारिक मूल्यों की संकल्पना में विश्वास रखने वाली पवित्र महिला के रूप में प्रदर्शित किया, जबकि विवाह के बाद उसका वास्तविक स्वरूप प्रदर्शित होने लगा।

वह वादी के परिजनों से दूरी बनाकर रखने लगी, उनकी उपेक्षा करने लगी तथा वह घंटों अपनी मां व बहन से फोन पर बात करने में ही रुचि रखती थी, जबकि वादी अपनी व्यावसायिक गतिविधियों में व्यस्त रहता था। वह किसी न किसी बहाने नियमित रूप से मायके जाती रहती थी, मायके वाले इस कार्य में उसका पूरा सहयोग करते थे।

वह 8 जून 2019 को पत्नी को मायके से विदा करा लाया। उसी रात पत्नी के पिता ने नशे में धुत होकर, फोन पर अभद्र भाषा में चिल्लाकर गाली-गलौज कर कहा कि तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई। मेरी अनुमति के बिना बेटी को घर से ले जाने की। पत्नी के माता-पिता, अविवाहित बहन द्वारा पारिवारिक मामलों में हस्तक्षेप किया जाना शुरू हो गया। पत्नी ने बहू के रूप में ससुराल में मिल जुलकर रहने का कभी प्रयास नहीं किया। वह अपने दायित्वों के प्रति उदासीन रही। विरोध करने पर उसे व ससुरालीजनों को दहेज उत्पीड़न के झूठे केस में फंसाने की धमकी देती थी। वह कहती थी कि मैं एक शिक्षित, नौकरी करने वाली, आधुनिक विचारों वाली, खुले दिमाग की महिला हूं, मैं तुम्हारे घर के रीति-रिवाजों को नहीं मान सकती हूं। अपने माता-पिता का घर छोड़कर, उसके पिता के घर निवास करो। समझौते का भी कई दफा प्रयास किया मगर पत्नी के पिता ने बात करने से इंकार कर दिया। वादी अपने माता-पिता की इकलौती संतान है, बूढ़े मां-बाप की देखरेख करने वाला उसके अतिरिक्त कोई नहीं है। पति ने पत्नी द्वारा किये गये भरण पोषण, दहेज उत्पीड़न मुकदमों की कॉपी, पत्नी द्वारा अपने परिजनों द्वारा फोन पर 7 मई 2019 से 26 मई 2019 तक बातचीत का विवरण, व्हाट्सएप चैटिंग के अंश, सीसीटीवी फुटेज, पत्नी के अध्यापन संबंधी कागजात बतौर सबूत पेश किये।

अदालत ने आदेश में उल्लेखित की मर्मस्पर्शी टिप्पणी

वादी का आचरण अत्यंत प्रशंसनीय है व अनुकरणीय है, जिसने अपनी गृहस्थी व अपना भविष्य दांव पर लगाते हुए पत्नी के दहेज उत्पीड़न, भरण पोषण, घरेलू हिंसा संबंधी वाद का दृढ़ता से सामना किया, लेकिन अपने माता-पिता व बहन के साथ रहने, उनसे अलग न होने के कदम पर अडिग रहा। वास्तव में यही संस्कार की शक्ति है। न्यायालय के मत में पति के साथ एकाकी जीवनयापन की इच्छा रखने वाली लड़कियों को अपने बायोडॉटा में ही लिखना चाहिए कि ऐसा वर अपेक्षित है, जो माता-पिता, भाई-बहन की संबद्धता व दायित्व से मुक्त हो।

कन्हैया गुलाटी पर धोखाधड़ी के दो और मुकदमे दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- खुशबू एन्क्लेव के वासित मलिक से इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगे आठ लाख रुपये

अमृत विचार : कन्हैया गुलाटी के खिलाफ लाखों रुपये की धोखाधड़ी के दो मामले और दर्ज हुए हैं। दोनों ही मामलों की शिकायत साइबर सेल में हुई थी। इन्वेस्टमेंट कराने के नाम पर लाखों रुपये के ठगी के दोनों मामले बारादरी थाने में दर्ज हुए हैं। बारादरी पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है।

बारादरी थाना क्षेत्र के खुशबू एन्क्लेव निवासी मोहम्मद वासित मलिक ने साइबर सेल को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनके साथ करीब आठ लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई है। वासित मलिक के अनुसार, आरोपी कन्हैया गुलाटी ने भरोसे में लेकर आठ लाख रुपये का ऑनलाइन आरटीजीएस ट्रांजेक्शन करा लिए। निर्धारित के समय बाद जब पैसा वापस मांगा तो वह टालमटोल करने लगा। इससे जुड़े सभी साक्ष्य, जैसे आरटीजीएस ट्रांजेक्शन के स्क्रीनशॉट, बैंक विवरण, मोबाइल चैट और कॉल रिकॉर्ड आदि साइबर सेल को उपलब्ध कराए हैं। इसके आधार पर आरोपी के खिलाफ बारादरी थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उधर, दूसरा मुकदमा पवन विहार कालोनी निवासी अमित कुमार ने 12 लाख की ठगी का लिखाया है। आरोप है कि कन्हैया गुलाटी ने 12 लाख आरटीजीएस कराकर रकम हड़प ली। ट्रांजेक्शन की पूरी डिटेल साइबर सेल को दी गई है। दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर बारादरी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

एसआईआर बूथों का किया निरीक्षण

बरेली/क्योलड़िया, अमृत विचार : भदपुरा ब्लाक के भाजपा के मंडल महामंत्री वेदपाल कनौजिया ने गांव सुंदरी परसरामपुर के सेक्टर पर प्रवासी बतौर बूथों पर ग्राम परसरामपुर,फुलवैया, पनवड़िया,चंद्रपुर ख्यालीराम ज्योति जगीर में जाकर मतदाता केंद्रो पर पहुंचकर गहन पुनरीक्षण कार्य की जानकारी ली । उन्होंने बीएलए, बूथ अध्यक्ष से बीएलओ के साथ सहयोग कर सौ फीसदी कार्य करने के लिए कहा। गांव में घूम कर ग्रामीण तथा महिलाओं को जागृत कर एसआईआर फॉर्म को सही तरीके से भरने की जानकारी दी।

बीएलओ और बीएलए की संयुक्त बैठक होगी

बरेली/फरीदपुर, अमृत विचार : फरीदपुर विधानसभा के जिन जिन बूथों पर एसआईआर का काम पूरा हो चुका है। वहां के बीएलओ और बीएलए की संयुक्त बैठक बुलाई जाएगी। इस संबध में गुरुवार को एसडीएम मल्लिका नैन ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार प्रशांत अवस्थी, बीडीओ सुखपाल सिंह , चकबंदी अधिकारी, बीईओ , नायब तहसीलदार सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

डॉ. रोहिताश बने मंत्रालय के सांस्कृतिक दूत

बरेली/मीरगंज, अमृत विचार : सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) की ओर से उदयपुर (राजस्थान) में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में शिक्षक डॉ. रोहिताश कुमार गंगवार को संस्कृति मंत्रालय ने सांस्कृतिक दूत बनाया है। कार्यशाला में डॉ .रोहिताश को बरेली के लिए जिला श्रोत व्यक्ति (डीआरपी) भी नियुक्त किया गया है। यह कार्यशाला राष्ट्र गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर आयोजित की गई। कार्यशाला में 19 राज्यों के 84 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

बांग्लादेशी-रोहिंग्या संग अवैध रूप से रह रहे विदेशी होंगे चिह्नित

जनपद में बांग्लादेशी-रोहिंग्या और अवैध अप्रवासियों को चिह्नित करने के संबंध में पुलिस-प्रशासनिक अफसरों ने की बैठक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस-प्रशासन ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या व अवैध विदेशी नागरिकों को चिह्नित करने के लिए अभियान चलाने की रणनीति बना ली है। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार की शाम जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कानून-व्यवस्था, बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अवैध विदेशी नागरिकों के चिन्हांकन के संबंध में बैठक की गई। इसमें अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या लोगों को चिह्नित करने के लिए अभियान चलाने और विदेशी नागरिकों का सत्यापन करने पर चर्चा की गई।

कलेक्ट्रेट के सभागार में बैठक में कहा गया कि पहले चरण में डिटेंशन सेंटर स्थापित करने के लिए स्थानों को चयन किया जाना है। संबंधित

पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम अविनाश सिंह।

- डिटेंशन सेंटर स्थापित करने को स्थान चयन के डीएम ने दिए निर्देश
- सत्यापन पूरा होने तक डिटेंशन सेंटरों में रखे जाएंगे अप्रवासी

अधिकारियों को स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए गए। बताया कि चिन्हित लोगों की सूची मंडलायुक्त और डीआईजी को भेजी जाएगी। चिह्नित किए गए लोगों को सत्यापन पूरा होने तक अस्थायी डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा।

डीएम ने कहा कि कानून-व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सामंजस्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं होगी। हर उस व्यक्ति की जांच करें, जो बॉर्डर के पार से आया है और देश का नागरिक नहीं है। उन्हें चिन्हित करें, जहां कोई संदिग्ध लगे, उसकी जांच करें। यदि अवैध अप्रवासी जनपद में मिले तो उन्हें डिटेंशन सेंटरों में जरूरी सत्यापन पूरा होने तक रखा जाएगा। सत्यापन के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसे उसके देश में वापस भेजा जाएगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य की उपस्थिति में हुई बैठक में नगर आयुक्त संजीव मौर्य, एडीएम ई पूर्णिमा सिंह, एडीएम फाइनेंस संतोष कुमार सिंह, एडीएम सिटी सौरभ दुबे, नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान, एसपी ग्रामीण, एसपी क्राइम, सभी एसडीएम, सीओ, बीडीओ, ईओ उपस्थित रहे।

इस तरह से रहने वाले लोगों की सभी बिंदुओं पर जांच होगी

एसएसपी ने बताया कि अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या लोगों को चिह्नित करने के साथ ही विदेशी नागरिकों का भी सत्यापन होगा। इसमें देखा जाएगा वह किस आधार पर यहां रह रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध है तो वह कहां का मूल निवासी है, उसकी डिटेल मांगें। सड़क किनारे झुग्गी झोपड़ी या टेंट लगाकर रह रहे हैं या निर्माण कार्यों व भट्ठों में लगे हैं, रेलवे स्टेशनों पर या उसके आसपास रहने वाले लोगों, होटलों, धर्मशालाओं की गंभीरता से जांच करें। मकान मालिकों को भी जागरूक करें कि उनके यहां रहने वाले किरायेदारों के साथ ही घरेलू नौकरों के बारे में व्यापक जानकारी व जांच कर लें। विश्वविद्यालयों व मदरसों में रहने वाले विदेशी छात्रों की भी जांच करें।

नगर निगम ने शुरू की श्रमिकों की जांच, संदिग्धों का होगा सत्यापन

बरेली, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के अनुपालन में नगर निगम ने बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों के सत्यापन की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। नगर निगम के अधीन कार्य कर रहे ठेकेदारों के श्रमिकों का व्यापक सत्यापन कराया जा रहा है। नगर आयुक्त के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने ठेकेदारों, कार्यदायी एजेंसियों और उनकी फर्मों का विस्तृत डेटा तैयार करना शुरू कर दिया है। कौन-सा ठेकेदार कितने मजदूरों को काम पर लगाए हुए है, उनकी पहचान क्या है और वे कहां से आए हैं, इन सभी बिंदुओं का रिकॉर्ड अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में लगे कामगारों की सूचीकरण प्रक्रिया भी जारी है। निगम का फोकस विशेष रूप से उन श्रमिकों पर है जिनकी पहचान संदिग्ध या अधूरी पाई जा रही है। ऐसे मजदूर जिनकी डॉक्यूमेंटेशन संदिग्ध लग रही है उनके सत्यापन के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। टीमें फील्ड में जाकर एक-एक व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटा रही हैं।

- सीएम के आदेश के बाद निगम ने बांग्लादेशी व रोहिंग्या प्रवासियों के सत्यापन को लेकर ठेकेदारों की लेबर वेरिफिकेशन प्रक्रिया की तेज

शासन के निर्देश पर ठेकेदार और संस्थाओं में काम करने वाले श्रमिकों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों की टीमें बना दी गई हैं। सभी श्रमिकों का सत्यापन कराया जा रहा है।
- संजीव कुमार मौर्य, नगर आयुक्त

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में सचिवों का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में ग्राम पंचायत सचिवों का चौथे दिन गुरुवार को भी ब्लाकों पर धरना-प्रदर्शन जारी रहा। शुक्रवार से सभी सचिव सरकारी वाट्सएप ग्रुप से लेफ्ट होकर प्रदर्शन करेंगे।

दरअसल, संगठन के प्रांतीय आह्वान पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में सचिव सोमवार से काली पट्टी बांधकर ऑनलाइन उपस्थिति और गैर-विभागीय कार्यों का विरोध कर रहे हैं। ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र गंगवार ने बताया कि सरकार उनकी ऑनलाइन हाजिरी लगाने के लिए दबाव बना रही है। जब एक-एक सचिव के पास कई-कई पंचायतों का चार्ज है तो वे कैसे तैनाती वाली पंचायत पर पहुंच कर ऑनलाइन हाजिरी लगा सकते हैं। सरकार

भोजीपुरा में प्रदर्शन करते ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष व अन्य।

- ग्राम पंचायत अधिकारी संघ व ग्राम विकास अधिकारी संघ का विरोध जारी
- आज से सचिव सरकारी वाट्सएप ग्रुप से लेफ्ट होकर करेंगे प्रदर्शन

की ओर से पंचायत सचिवों से गैर विभागीय कार्य का भार डालकर शोषण किया जा रहा है। कहा कि शुक्रवार से सभी सचिव सरकारी वाट्सएप ग्रुप और सरकारी कार्यक्रमों से लेफ्ट होकर प्रदर्शन करेंगे और ज्ञापन देंगे। ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र वीर ने कहा कि 10 दिसंबर को सचिव न तो अपने निजी फोन और न ही वाहनों का सरकारी कार्य के लिए प्रयोग करेंगे।

15 दिसंबर को विभाग की ओर से सरकारी कार्य करने को उपलब्ध कराए गए डोंगल को ब्लाक में जमा कर दिया जाएगा। उधर, भोजीपुरा में भी ग्राम पंचायतों के सचिवों ने विरोध-प्रदर्शन किया।

काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

विकास खंड मीरगंज ब्लॉक परिसर में ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारी शुक्रवार को ऑनलाइन उपस्थिति के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने गुरुवार को सत्याग्रह के चौथे दिन काली पट्टी बांधकर काम किया गया। सचिवों गजेंद्र वर्मा, सुशील कुमार, कुलदीप, एम अनस, शशांक शर्मा आदि ने बताया कि आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार का निर्णय वापस नहीं लिया जाता। 5 दिसंबर को सचिव ब्लॉक कार्यालय में धरना दिया जाएगा। इस दौरान श्वेता पाल,अमित पटेल, योगेश कुमार, ओमेंद्र कुमार, पूजा , प्रियंका आदि मौजूद रहे।

छह माह में 719 निराश्रित गोवंशों को पकड़कर किया संरक्षित

बरेली, अमृत विचार: विशेष निराश्रित गोवंश संरक्षण अभियान के अंतर्गत छह माह में सड़कों पर घूमने वाले 719 निराश्रित गोवंशों को पकड़वाकर संरक्षित किया गया है। 25 मई को शुरू हुआ अभियान 2 दिसंबर को संपन्न हुआ। पकड़े गए निराश्रित गोवंशों को गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित किया गया।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनमोहन पांडे ने बताया कि जिले में 125 स्थायी व अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों, वृहद गो-संरक्षण केंद्रों, नगर निगम व नगर पंचायत की ओर से स्थापित कान्हा उपवन एवं निजी गोशालाओं में 23803 निराश्रित गोवंश संरक्षित किए जा रहे हैं। जहां क्षमता से अधिक गोवंश संरक्षित हैं, उन्हें मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के अंतर्गत सुपुर्दगी में देने की कार्यवाही की जा रही है।

ब्लॉक के चलते कई ट्रेनें नियंत्रित कर चलाई जाएंगी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- कुछ ट्रेनों का शार्ट टर्मिनेशन /शार्ट ओरिजिनेशन किया गया

अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के मैरवा यार्ड में प्वाइंट एवं क्रासिंग के बदले जाने के लिए ब्लॉक के कारण इज्जतनगर मंडल पर कई ट्रेनें नियंत्रित कर चलाई जाएंगी। 11 दिसंबर को काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस 25 मिनट रास्ते में नियंत्रित कर चलाई जाएगी।

16 दिसंबर को मथुरा-छपरा एक्सप्रेस 30 मिनट रास्ते में नियंत्रित कर चलाई जाएगी। इसके अलावा उत्तर रेलवे के देहरादून यार्ड में लोको पिट साइडिंग कार्य एवं पुल संख्या-39, 57, 1286 एवं 1263 पर नान-इंटरलाक कार्य को ब्लॉक दिए जाने के कारण इज्जतनगर मंडल की कुछ ट्रेनों का शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन किया गया है, जिसमें 9 और 10 दिसंबर को काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस देहरादून के स्थान पर नजीबाबाद में यात्रा समाप्त करेगी। देहरादून-काठगोदाम एक्सप्रेस देहरादून के स्थान पर नजीबाबाद से चलाई जाएगी। जबकि 8 से 10 दिसंबर को काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस देहरादून के स्थान पर लक्सर में यात्रा समाप्त करेगी। देहरादून-काठगोदाम एक्सप्रेस देहरादून के स्थान पर लक्सर से चलाई जाएगी। यह जानकारी इज्जतनगर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने दी।

ठंड से बचाव को बेघरों के लिए बनाएं आश्रय गृह

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बेघर व कमजोर लोगों के जीवन की रक्षा के संबंध में मंडल के सभी डीएम को निर्देश जारी

अमृत विचार : शीतलहर में बेघर, कमजोर और भीख मांगने वाले लोगों के बचाव के लिए दिन-रात के आश्रय गृह की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर गृह (मानवाधिवार) अनुभाग के उपसचिव ने बरेली मंडल के सभी डीएम को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि दिन और रात के आश्रय गृहों की व्यवस्था कराएं। जरूरतमंदों को चिकित्सीय सहायता प्रदान करने और ठंड से संबंधित बीमारियों के लिए भी उपचार की पर्याप्त व्यवस्था कराएं।

पत्र में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उपसचिव सत्येंद्र प्रताप सिंह ने कहा है कि आंकड़ों के अनुसार 2019 और 2023 के बीच देश में शीतलहरों के संपर्क में आने से 3,639 लोगों की मृत्यु हुई, जबकि यूपी में 797 लोगों की जान गई थी। बेघर, बुजुर्ग और भीख मांगने वाले जैसे कमजोर लोग शीतलहरों के दौरान उचित आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण विशेष रूप से जोखिम में रहते हैं। बुजुर्ग, बच्चे, शिशु और नवजात शिशु अत्यधिक ठंड के स्वास्थ्य प्रभावों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने ठंड की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उपसचिव ने कहा है कि आयोग के पत्र के अनुसार शीतलहर में की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में कार्रवाई पूरी करते हुए उसकी रिपोर्ट राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को भेजने के साथ उसकी कॉपी शासन को भी उपलब्ध कराएं। इधर, बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने उप सचिव के पत्र के क्रम में एडीएम फाइनेंस को शीतलहर में व्यवस्थाएं करने के निर्देश जारी किए हैं।

जिले के 894 बूथों पर एसआईआर का शत-प्रतिशत कार्य पूरा

बरेली, अमृत विचार : विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का सत्यापन कराने के लिए कराए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। 894 बीएलओ ने टीमों के साथ बेहतर कार्य किया है। इनके बूथों पर गुरुवार तक एसआईआर का शत प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने शत प्रतिशत कार्य पूरा करने वाले बीएलओ की सराहना करते हुए अन्य बीएलओ से भी जल्द कार्य पूरा करने का आह्वान किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य कराया जा रहा है। जिले के 894 बूथों का शत-प्रतिशत, 2041 बूथों का 90 और 2821 का 80 प्रतिशत पुनरीक्षण कार्य पूरा हो गया है। 3226 बूथों का 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ के पुनरीक्षण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत से मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में जनपद में लक्ष्य सापेक्ष अच्छी प्रगति हुई है।

रैन बसेरों में अव्यवस्थाओं का बसेरा

अमृत विचार IMPACT

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने गुरुवार को शहर के तीन रैन बसेरों का निरीक्षण किया तो तमाम कमियां मिलीं। कहीं गद्दे ठीक नहीं थे तो कहीं टाइलें उखड़ी मिलीं। शौचालयों में भीषण गंदगी थी। उन्होंने संबंधित कर्मियों को व्यवस्था में सुधार की हिदायत दी।

आपके प्रिय समाचार पत्र अमृत विचार ने पिछले दिनों रैन बसेरों की अव्यवस्थाओं को प्रमुखता से उठाया था। इन खबरों का संज्ञान लेकर नगर आयुक्त ने गुरुवार को रैन बसेरों का निरीक्षण किया। नगर निगम के ठीक सामने वाले मार्ग पर बने रैन बसेरे में राहगीरों के लिए जो बेड डाले गए थे, उन पर गद्दे पुराने थे। चादरें भी नहीं थीं। बदायूं रोड

रैन बसेरे का जायजा लेते नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, साथ में मौजूद अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय व अन्य ● अमृत विचार

- नगर आयुक्त ने तीन रैन बसेरों का किया निरीक्षण
- कहीं गद्दे नहीं मिले ठीक तो कहीं उखड़ी पड़ी हैं टाइलें

स्थित रैन बसेरे के शौचालयों में भीषण गंदगी मिली। बेड पर पड़े गद्दे गंदे थे। वह प्रेमनगर स्थित रैन बसेरे पर भी पहुंचे। यहां कुछ व्यवस्थाएं ठीक मिलीं। उन्होंने रैन बसेरे के सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए। दरअसल, शहर में बने रैन बसेरों में राहगीरों के लिए ठंड से बचाव के इंतजाम नाकाफी हैं।

अलाव के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि ठंड के प्रकोप के चलते रैन बसेरों में व्यवस्थाएं चाक चौबंद कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अलाव भी जलवाए जाएंगे। लकड़ी के लिए टेंडर प्रक्रिया आरंभ कर दी है। हालांकि, निगम के स्टोर में भारी मात्रा में लकड़ियां उपलब्ध भी हैं। नई लकड़ी की खरीद पूरी होने तक इन लकड़ियों से अलाव जलवाएं जाएंगे। वहीं कंबलों की भी खरीद की जाएगी।

विज्ञापन में हेराफेरी कर पहुंचाया नुकसान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नगर निगम को विज्ञापन में हेराफेरी कर लाखों की राजस्व हानि पहुंचाने पर शहर के प्रमुख विज्ञापन ठेकेदार पर कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर ली गई है। ठेकेदार की फर्म पर आरोप है कि उसने विज्ञापन सेवाओं में हेराफेरी कर नगर निगम को लाखों रुपये का राजस्व नुकसान पहुंचाया।

नगर निगम के एक्सईएन राजीव कुमार राठी ने बताया कि प्रमुख विज्ञापन ठेकेदार व प्रोपराइटर मैसर्स एडटैक प्रिंट एंड मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के मालिक राजीव तनेजा को जून से अक्टूबर 2025 तक फर्म को मय जीएसटी राशि 88.93 लाख रुपये जमा करने थे। नोटिस जारी करने के बाद कई बार पर्याप्त समय देने के बाद भी धनराशि जमा नहीं की गई। इसके साथ विलंब शुल्क 133409 रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि विज्ञापन ठेकेदार की ओर से सहयोगी कंपनियों से भुगतान में देरी का तर्क दिया गया, लेकिन ये तर्क पुष्ट नहीं हो सका। कानूनी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। नगर आयुक्त के निर्देश पर 24 मई 2025 को एडटैक प्रिंट एंड मीडिया फर्म का ठेका तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। वहीं संबंधित थानाध्यक्ष को आदेशित किया गया है कि फर्म व इसके सहयोगियों पर रिपोर्ट दर्ज की जाए।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर दो लाख जुर्माना

बरेली, अमृत विचार : सीएम ग्रिड परियोजना के आरंभ से ही लगातार लापरवाही उजागर हो रही है। अब दूसरे फेज में सुरक्षा और गुणवत्ता की अनदेखी करने पर गाजियाबाद की मैसर्स शर्मा कंस्ट्रक्शन पर नगर निगम ने दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। नगर निगम के मुख्य अभियंता मनीष अवस्थी ने बताया कि कोहाड़ापीर पेट्रोल पंप से कुदेशिया पुल तक पाइप लाइन डालते समय सुरक्षा मानकों की अनदेखी और गुणवत्तापूर्ण काम न करने पर फर्म पर दो लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। बताया कि गुरुवार को साइट का निरीक्षण किया गया था। मौके पर पाया गया कि जेसीबी से की जा रही खुदाई पूरी तरह अनियोजित और गहरे गड्ढों वाली थी। सड़क पर वाहनों और पद यात्रियों की सुरक्षा के लिए कोई बैरिकेडिंग, ग्रीन नेटिंग या साइनेज का प्रबंध नहीं किया गया। स्थल पर प्रोजेक्ट मैनेजर ने यह भी बताया कि अभी तक ेई साइट ऑफिस नहीं बनाया गया और एसबीडी की शर्तों के अनुसार वांछित अभियंता भी पदस्थ नहीं किए गए हैं। कार्यादेश जारी हुए लगभग 5 माह बीत चुके हैं, फिर भी गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित नहीं किया गया। मुख्य अभियंता ने बताया कि एक सप्ताह में सुधार के निर्देश दिए हैं।

- नगर निगम के मुख्य अभियंता ने निर्माण कार्य का किया था निरीक्षण
- गहरी खुदाई के दौरान बैरीकेडिंग नहीं करने पर की गई कार्रवाई

चौड़ीकरण कार्य की विधायक ने परखी गुणवत्ता

बरेली/मीरगंज, अमृत विचार : गुरुवार को दिवना-हुरहुरी मार्ग के चौड़ीकरण और रोड की मरम्मत कार्य की विधायक ने मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता परखी। मौके से ही उन्होंने संबंधित अधिकारी को फोन कर उच्चक्वालिटी की गुणवत्ता से सड़क डलवाने को कहा। दिवना से हुरहुरी परियोजना की कुल लागत 17.15 करोड़ रुपये है,जिसमें 9.5 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण का मुद्दा विधायक ने विधानसभा में भी उठाया था। निर्माण खंड एक के अधिशासी अभियंता राजीव अग्रवाल ने बताया कि इस सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। जे ई कुलदीप शाक्य ने बताया कि सड़क के चौड़ीकरण और निर्माण से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

मॉकड्रिल : टीम ने कुछ ही मिनटों में पाया स्थिति पर काबू

मॉकड्रिल में भाग लेते कर्मचारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड ने गुरुवार को आपदा प्रबंधन की तत्परता और प्रतिक्रिया क्षमता को परखने के लिए स्टेडियम रोड स्थित पिंड बल्लूची के पास मॉकड्रिल का आयोजन किया।

ड्रिल के दौरान वास्तविक परिस्थितियों जैसा परिदृश्य तैयार किया गया। खुदाई कार्य के दौरान जेसीबी से एमडीपीई पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने और गैस रिसाव की सूचना व्यावसायिक ग्राहक पिंड बल्लूची ने सीयूजीएल को दी।सीयूजीएल की आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम कुछ ही मिनट में घटनास्थल पर पहुंच गई। टीम ने क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित कर लोगों को वहां से हटाया और निर्धारित आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए शीघ्र स्थिति पर नियंत्रण पाया।

नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ

डा. आरिफ हुसैन अन्सारी

M.B.B.S., M.S.

• Ex. Chief Resident-Sir J.J. Hospital Grant Medical College Mumbai

मिलने का समय
(सोमवार से शनिवार)
सुबह : 11 बजे से 3 बजे तक
शाम : 8 बजे से 9 बजे तक

नाक, कान व गला की एन्डोस्कोपी फ्री

सुविधायें
• नाक की टेढ़ी हड्डी को सही करना (Septoplasty)
• गले के बढ़े हुये टॉन्सिल का ऑपरेशन
• कान के फटे हुए पर्दे का ऑपरेशन (Tympanoplasty)
• थायराइड (घेंघा) का इलाज व ऑपरेशन
• दूरबीन द्वारा गले के कैंसर की जाँच व बायोप्सी

पता- बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, मालियों की पुलिया, बरेली
(सेटेलाईट बस अड्डा व शाहमतगंज चौराहे के बीच में)

सम्पर्क करें
94566 58250, 70785 69786

शहर में आज

- आर्मी सर्विस कोर के 265 वें कोर दिवस पर 265 किलोमीटर साइकिल रैली को एएससी के पीटी ग्राउंड में फ्लैग ऑफ सुबह 8 बजे।
- महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य की सर्किट हाउस में विभागीय मंडलीय समीक्षा बैठक सुबह 10 :30 बजे से।
- उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से खादी एवं स्वावलंबन उत्सव बिशप मंडल इंटर कॉलेज मैदान में समय 10 :30 बजे से।

धनराशि मिली पर अभिभावकों ने नहीं खरीदे स्वेटर और जूते

बेसिक शिक्षा : कड़ाके की सर्दी में बिना स्वेटर के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने आ रहे छात्र-छात्राएं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए यूनिफार्म, जूता- मोजा, बैग खरीदने के लिए डीबीटी के माध्यम से अभिभावकों के बैंक खाते में धनराशि भेजी जा चुकी है, मगर स्कूलों में तमाम छात्र-छात्राएं बिना स्वेटर, जूता- मोजा के पहुंच रहे हैं। कुछ विद्यार्थियों ने बताया कि उनके पास पिछले साल का स्वेटर है, कुछ ने बताया कि अभी स्वेटर लिया नहीं गया है। शिक्षकों ने बताया कि मीटिंग में कुछ अभिभावक जारी की गई धनराशि खर्च होने की बात कहकर जल्द स्वेटर खरीदने की बात कहते हैं।

नगर क्षेत्र के कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय बुखारा ...

प्राथमिक विद्यालय गौटिया खुर्रम में कई बच्चे बिना स्वेटर के दिखे। ● अमृत विचार

बालजती प्राथमिक विद्यालय में बिना स्वेटर के छात्राएं। ● अमृत विचार

- **शिक्षक बोले अभिभावकों को किया जा रहा जागरूक**

प्राथमिक विद्यालय बालजती में गुरुवार को मध्याह्न भोजन के दौरान बच्चे स्कूल परिसर में खेल रहे थे। कुछ छात्राएं स्वेटर न पहने होने के कारण धूप में बैठी थीं। विद्यालय में 50 प्रतिशत बच्चे बिना स्वेटर के आए थे। विद्यालय में एसआईआर का काम भी चल रहा था। प्रधानाचार्य एसआईआर में सुपरवाइजर का काम कर रहे हैं। सहायक अध्यापिका जुबिया खान ने बताया कि विद्यालय में 256 बच्चे पंजीकृत हैं। जिसमें से 247 बच्चों के अभिभावकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से यूनिफार्म की धनराशि जारी हो चुकी है। पैरेंट्स मीटिंग में अभिभावकों से स्वेटर खरीदने को बोला गया है, कुछ अभिभावकों ने जल्दी ही स्वेटर खरीदने की बात कही है।

प्राथमिक विद्यालय गौंटिया खुर्रम में शिक्षिका तब्बसुम बच्चों को स्मार्ट क्लास में पढ़ा रही थीं। विद्यालय में 45 बच्चे पंजीकृत हैं। जिसमें से 43 बच्चों की डीबीटी के माध्यम से राशि जारी हो चुकी है। इसके बाद भी विद्यालय में 40 प्रतिशत बच्चों पर स्वेटर और जूते नहीं थे। शिक्षिका ने बताया कि इस महीने की पैरेंट्स मीटिंग में दोबारा अभिभावकों स्वेटर खरीदने के लिए बोला जाएगा।

> यूनिफार्म व स्वेटर की धनराशि सीधे अभिभावकों के खातों में जाती है। विद्यालय के प्रधानाध्यापकों से कहा गया है कि वे पैरेंट्स मीटिंग में अभिभावकों को यूनीफार्म आदि खरीदने के लिए जागरूक करें।
> – डॉ. विनीता, बीएसए

कई बच्चे पुरानी यूनिफार्म में मिले

कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय बुखारा में कक्षा छह और आठ के कुछ बच्चे पुरानी यूनिफार्म पहने हुए थे। स्वेटर न होने पर उन्होंने बताया कि स्वेटर छोटा हो गया है। पापा से बोलकर नया लिया जाएगा। विद्यालय में करीब 35 प्रतिशत बच्चे बिना स्वेटर के कक्षा में बैठे थे। कुछ बच्चे बिना यूनिफार्म के ही आए थे। प्रधानाध्यापिका उर्मिला ने बताया कि विद्यालय में 262 बच्चे पंजीकृत हैं। जिसमें से 164 बच्चों की यूनिफार्म की राशि जारी हुई थी है। बताया कि अगर पैरेंट्स मीटिंग में ड्रेस पहनकर आने पर ज्यादा कहने पर अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर देते हैं, इसलिए उनसे ज्यादा नहीं कहा जाता है।

सिटी ब्रीफ

निशांत बने इंटरनेशनल स्कूल वालीबॉल चैंपियनशिप में रेफरी

बरेली, अमृत विचार : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने ब्लॉक आलमपुर जाफराबाद के सहायक शिक्षक निशांत कुमार शर्मा को अंतर्राष्ट्रीय स्कूल स्पोर्ट्स फेडरेशन की ओर से चीन के शांगलव में आयोजित अंडर-15 बालक और बालिका वर्ग की इंटरनेशनल स्कूल वालीबॉल चैंपियनशिप में रेफरी बनाया है। प्रतियोगिता 13 दिसंबर तक आयोजित होगी। निशांत शर्मा रामपुर कांकर में प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक हैं। वह वालीबॉल के क्वालिफाइड नेशनल रेफरी हैं। वह अब तक राष्ट्रीय स्तर की कई वालीबॉल प्रतियोगिताओं में रेफरी के रूप में अपना योगदान दे चुके हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह उनका पहला अवसर हैं। संयुक्त शिक्षा निदेशक राकेश कुमार, मंडलीय उप शिक्षा निदेशक मुन्ने अली, डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. विनीता, जीआईसी के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश राय, मंडलीय क्रीड़ा सचिव नईम अहमद, आलमपुर जाफराबाद के खंड शिक्षा अधिकारी सतीश कुमार वर्मा आदि ने उन्हें बधाई है।

आरटीई : निजी स्कूलों में 14003 सीटों पर विद्यार्थी ले सकेंगे निशुल्क शिक्षा

बरेली, अमृत विचार : शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत गरीब बच्चों को मान्यता प्राप्त विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित की जाती हैं। एक लाख रुपये से कम आय वर्ग वाले परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश की सुविधा दी जा रही है। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार बच्चों को उनके क्षेत्र वाले वार्ड के स्कूलों में ही प्रवेश दिया जाएगा। आवेदन करते समय अपने वार्ड के 10 विद्यालयों को चयन किया जा सकेगा। जिला समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान आशीष ने बताया कि जिले में आरटीई के तहत 1635 मान्यता प्राप्त विद्यालयों में 14003 सीटों पर पात्र बच्चे निशुल्क शिक्षा ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि चयनित बच्चों को अपने वार्ड या गांव के स्कूलों में प्रवेश मिलेगा।

बैडमिंटन : बरेली कॉलेज बना विजेता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयीय महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में हुआ। प्रतियोगिता में एसएस कॉलेज शाहजहांपुर को हराकर बरेली कॉलेज विजेता बना।

प्रतियोगिता का उद्घाटन क्रीड़ा सचिव प्रो. एसएस वेदी ने किया। बरेली ने एसएस कॉलेज को 21-16, 21-16, 21-11, 21-9 से हराया। प्रतियोगिता में कुल 5 टीमों ने भाग लिया। विजेता खिलाड़ी नॉर्थ जोन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने छात्राओं की उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। कुलसचिव हरीश चंद्र एवं परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त की। सह-क्रीड़ा सचिव डॉ. विजय सिंहल, सहायक क्रीड़ा सचिव डॉ. इंद्रप्रीत कौर, डॉ. इरम नईम, डॉ. नीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

सम्मानित हुए खिलाड़ी, साथ में अतिथि व शिक्षक। ● अमृत विचार

स्वयं सेविकाओं ने पौधरोपण किया

बरेली, अमृत विचार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई की ओर से प्रधानाचार्य अनु पाराशरी की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन हुआ। स्वयं सेविकाओं ने शिविर में पौधरोपण किया। साथ ही लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इसके अलावा सफाई अभियान चलाया व जल संरक्षण पर रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया। इस दौरान नीलम रानी रस्तोगी ममता, अर्चना त्रिवेदी, दीपमाला, गीता, शिप्रा यादव, दीक्षा, अमलावती यादव आदि मौजूद रहीं।

बरेली कॉलेज : छात्रा ने छात्रवृत्ति फॉर्म पर शिक्षक के फर्जी हस्ताक्षर किए

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **75 फीसदी से कम उपस्थिति होने पर शिक्षक ने हस्ताक्षर करने से कर दिया था मना**

अमृत विचार : छात्रवृत्ति फॉर्म पर विषय के अध्यापक के हस्ताक्षर के साथ 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है, मगर कम उपस्थिति वाले छात्र-छात्राएं अपने फॉर्म पर अध्यापक के खुद ही हस्ताक्षर कर रहे हैं। मोहर लगवाने के समय ऐसे मामले पकड़ में आ रहे हैं। गुरुवार को बरेली कॉलेज में ऐसा ही एक और मामला पकड़ में आया।

बरेली कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में गुरुवार को एक छात्रा छात्रवृत्ति फॉर्म पर शिक्षक के फर्जी हस्ताक्षर कर विभाग प्रभारी से मोहर लगवाने पहुंची। विभाग की प्रभारी ज्योति अग्रवाल ने फॉर्म पर अध्यापक के संदिग्ध हस्ताक्षर होने पर फॉर्म पर मोहर लगाने से इंकार कर दिया। पहले तो छात्रा मना करती रही कि उसने फर्जी हस्ताक्षर नहीं किए, लेकिन विभाग प्रभारी ने सख्ती दिखाई तो छात्रा ने फर्जीवाड़े की बात कबूलते हुए बताया कि संबंधित अध्यापक ने कक्षाएं कम लेने और 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति होने के कारण हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। इसपर उसने स्वयं ही हस्ताक्षर कर लिए। उसे हिदायत छोड़कर छोड़ दिया गया। छात्रा से पहले एक युवक खुद को पूर्व छात्र संघ का पदाधिकारी बताते हुए बहन के फॉर्म पर हस्ताक्षर कराने पहुंचा। विभागाध्यक्ष ने अध्यापक के हस्ताक्षर फॉर्म पर न होने और उपस्थिति कम होने पर फॉर्म पर भी मोहर लगाने से मना कर उसे लौटा दिया। बीते दो दिनों पहले भी छात्रवृत्ति फॉर्म के हस्ताक्षर को लेकर विवाद हुआ था। इससे पहले भी भौतिक विज्ञान विभाग के दो छात्र को फॉर्म पर फर्जी हस्ताक्षर करने पर पकड़ कर चेतावनी देकर छोड़ा गया था। विभाग की प्रभारी इंचार्ज ज्योति अग्रवाल ने बताया कि विषय अध्यापक के हस्ताक्षर को चेक करने के बाद ही हम मोहर लगा रहे हैं।

विद्यार्थियों ने फाइलेरिया के प्रति किया जागरूक

बरेली, अमृत विचार: एफआर इस्लामिया इंटर कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर के चौथे दिन गुरुवार को कार्यक्रम अधिकारी फरहान अहमद के निर्देशन में छात्रों ने पांच टोलियां बनाकर 150 घरों का सर्वे कर लोगों को फाइलेरिया के प्रति जागरूक किया। सर्वे में क्षेत्र के दस लोग फाइलेरिया से पीड़ित मिले।

बताया कि हाथी पांव रोग क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलती है। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। जमे पानी पर कैरोसीन छिड़ककर मच्छरों को पनपने से रोकें। दूसरे सत्र में मनोवैज्ञानिक डॉ. यशिका वर्मा ने कहा कि हम अपना काम ईमानदारी से करें और अच्छे नागरिक के रूप में अपनी जगह बनाएं। रोहिद अली, निशांत पाल, प्रिंस, कपिल, संजीव, संकेश आदि मौजूद रहे।

वंदे मातरम् गायन प्रतियोगिता में प्राइमरी वर्ग में श्रीशर्मा प्रथम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बृज रूप मेमोरियल स्वर संगम सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट ने वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नैनीताल रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार में गुरुवार को वंदे मातरम् एकल गायन प्रतियोगिता कराई। जिसमें सात स्कूलों के 21 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंशिका गंगवार और आराध्या ने सरस्वती वंदना से किया। मुख्य अतिथि डॉ. विपिन वार्ष्णेय और विशिष्ट अतिथि बालरोग विशेषज्ञ डॉ. रुचिन अग्रवाल रहे। अध्यक्षता संस्था के संरक्षक साहित्य भूषण सुरेश बाबू मिश्रा ने की। संस्था के अध्यक्ष उमेश चंद्र गुप्ता ने बताया कि स्वर संगम शिक्षा सदन सामाजिक, धार्मिक, और सांस्कृतिक तीनों प्रकार के कार्यक्रम संपादित करती है। वंदेमातरम् गायन में प्राइमरी वर्ग में श्रीशर्मा प्रथम, नमिता द्वितीय और मृणालिनी तृतीय स्थान पर रहीं। जूनियर वर्ग में संप्रति ने प्रथम, शिफत खुराना ने द्वितीय और पूर्वांश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में सड्ज शर्मा प्रथम, दीपांशी द्वितीय और कुमारी प्रयांशी तृतीय स्थान पर रहीं। तुलसीराम शर्मा और प्रथा सक्सेना ने निर्णायक की भूमिका निभाई। विजयी छात्र- छात्राओं को सुरेश बाबू मिश्रा, उमेश चंद्र गुप्ता और संयोजिका रजनी गुप्ता ने सम्मानित किया। संचालन कवियत्री किरन प्रजापति ने किया। महामंत्री कृष्ण पाल गंगवार ने आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्य सुनील कुमार सिंह, नरेंद्र सिंह गंगवार, प्रमोद मिश्रा, गंगा रामपाल, गौरव मौजूद रहे।

सम्मानित हुए बच्चे, साथ में अतिथि व पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- **स्वर संगम सेवा ट्रस्ट किया आयोजन, सात स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया**

सिटी डायरी

अस्पताल के दो वर्ष पूरे होने पर लगाया रक्तदान शिविर

बरेली, अमृत विचार : देव प्राइमस अस्पताल के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को रक्तदान शिविर आईएमए ब्लड बैंक की ओर से लगाया गया। शिविर में कई लोगों ने रक्तदान किया। जिसमें डॉ. जेपी सेठी और उनकी टीम ने सहयोग दिया। अस्पताल के सभी डॉक्टर और स्टाफ ने रक्तदान किया। अस्पताल के डायरेक्टर ने बताया कि हर वर्ष की तरह आने वाले वर्ष में भी इसी तरह के कैंप का आयोजन किया जाएगा। गरीब मरीजों को सस्ते दरों में स्वास्थ्य सेवा दी जाएंगी। उन्हें रक्त भी उपलब्ध कराया जाएगा। डॉ. मनीष गोयल, डॉ. परितोष दास अग्रवाल, डॉ. अनिमेष गुप्ता, डॉ. जितेंद्र वार्ष्णेय, डॉ. अनुभा अग्रवाल, डॉ. आकाश गुप्ता, डॉ. निशांत गुप्ता, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. सौरभ चौबे, डॉ. हर्षित अग्रवाल, डॉ. रत्नांजलि मिश्रा, डॉ. एम चन्द्रा, डॉ. मोहम्मद शाहिद आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने सर्दी में जरूरतमंदों को बांटे कंबल और गर्म कपड़े

बरेली, अमृत विचार : रोटरी क्लब ऑफ बरेली हैरिटेज ने गुरुवार को महाजन अस्पताल के सामने जरूरतमंदों को कंबल, गर्म कपड़ों और भोजन का वितरण किया। अध्यक्ष शिल्पी शर्मा, सचिव रेनू प्रिया महाजन, डॉ. शाहजहां बेगम, कनिका शर्मा, अंजलि शर्मा, विनीता अग्रवाल, राधा सिंह, डॉ. रश्मि शर्मा, शालिनी विद्यार्थी, कुलजीत कौर, शालीन दीक्षित, संजना अग्रवाल, रिचा टंडन, क्षमा जैन, अंजू गुप्ता, गीतांजलि चांदना आदि मौजूद रहीं।

ललित कला विभाग में छात्राएं कर रहीं पुरानी मूर्तियों को संरक्षित

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज के ललित कला विभाग में एमए की छात्राएं 50 साल पुरानी मूर्तियों को संरक्षित करने का काम कर रही हैं। उन्होंने टूटी हुई मूर्तियों का पुन: निर्माण और पेंट कर उन्हें ठीक किया। विभाग की छात्रा वाणी, मनतशा अंसारी, नैंसी, गुलनाजवी और शोधार्थी विजय शंकर वर्मा इस काम में जुटे हैं। पुरानी मूर्तियों को संरक्षित करने का कार्य विभाग के प्रो. सूरज साहू ने नेतृत्व में किया जा रहा है।

एनसीसी कैडेट्स ने यूबी एरिया प्रोवोस्ट यूनिट का भ्रमण किया

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज और साहू रामस्वरूप महिला महाविद्यालय की चुनी हुई गर्ल्स कैडेट्स ने यूबी एरिया प्रोवोस्ट यूनिट का गुरुवार को भ्रमण किया। एनसीसी कैडेट्स ने सेना पुलिस में लड़कियों के लिए संभावनाओं की विस्तार से जानकारी को जाना। कैडेट्स को बताया गया कि परीक्षा के माध्यम से किस प्रकार से चयन प्रक्रिया संपन्न होती है। सेना पुलिस अपनी कार्रवाई के दौरान विभिन्न गतिविधियों का संचालन करती हैं। लेफ्टिनेंट कैप्टन वंदना शर्मा, कैप्टन बीनम सक्सेना, केयरटेकर प्रियंका मौजूद रहीं।

मिट्टी के प्रेशर कुकर और कढ़ाई को पसंद कर रहे ग्राहक

खादी उत्सव में मिट्टी के बर्तनों से सजा स्टाल। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **खादी उत्सव प्रदर्शनी में स्टालों पर उत्पादों की हो रही जमकर खरीदारी**

अमृत विचार : खादी एवं ग्रामोद्योग स्वावलंबन उत्सव प्रदर्शनी में गर्म कपड़ों के साथ मिट्टी के प्रेशर कुकर, कढ़ाई आदि बर्तनों की खरीदारी हो रही है। हर्बल और आयुर्वेदिक दवा स्टालों पर भी ग्राहकों की भीड़ दिखी। लोग शैंपू, तेल आदि उत्पाद खरीद रहे थे।

प्रदर्शनी में कानपुर नवाबगंज के सर्वोसार्थ कलेक्शन के स्टॉल पर मिट्टी के बने प्रेशर कुकर, हांडी, तबा, कपसेट, डिनर सेट सहित तमाम उत्पाद ऐसे हैं, जो ग्राहकों आकर्षित कर रहे हैं। दुकानदार के अनुसार तबा 100 और प्रेशर कुकर की कीमत 900 रुपये है। बताया कि मिट्टी के प्रेशर कुकर की मांग अधिक है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग मिट्टी के बर्तनों की खरीदारी कर रहे हैं। कश्मीर के ड्राईफ्रूट्स के स्टॉल पर भी ग्राहकों की भीड़ नजर आई। बुलंदशहर के क्रॉकरी उत्पाद में कप प्लेट, डिनर सेट, अचार के जार, फुल प्लेट, इलेक्ट्रिक लैंप, बाउल सेट ग्राहकों को पसंद आ रहे हैं।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
द्वारा IVF कैम्प
दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RiSAA IVF
Creating life.... completing families.
अब अधूरे सपने होंगे पूरे
निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर
परामर्श शुल्क मुफ्त
दिन : 8 दिसम्बर 2025 दिन सोमवार
समय : प्रातः 10:00 से 01 बजे तक

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !
उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें सस्ती दरों पर
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) मार्केट रेट से 35% की छूट पर
★ लैब टेस्ट पर भारी छूट
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 150/- में
विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब
देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....
स्थान :
RMCH BAREILLY Excellence towards profession
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराह, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 6398018900, 8171925965